जागरण : सीहोर : शाजापुर : देवास

www.dainikjagranmpcg.com ✸ आष्टा ✸ भैरूंदा ✸ बुधनी ✸ बैरछा ✸ शुजालपुर ✸ सोनकच्छ ✸ कालापीपल ✸ हाटपीपल्या ✸ खातेगांव सीहोर, 18 जून 2026

न्यूज कार्नर

महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कल से

सीहोर। महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अटल अस्पताल, गंगा आश्रम सीहोर द्वारा 18 से 21 जून 2026 तक चार दिवसीय मेगा महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच, परामर्श एवं उपचार किया जाएगा। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार शिविर में गर्भाशय का बाहर आना, गर्भाशय या अंडाशय में गांठ, अत्यधिक या अनियमित मासिक धर्म, लंबे समय से दवाइयां लेने के बाद भी आराम न मिलना, पेशाब संबंधी समस्याएं तथा अन्य स्त्री रोगों से पीड़ित महिलाओं को विशेष लाभ मिलेगा। शिविर के दौरान आवश्यक जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध रहेगी। साथ ही आधुनिक तकनीक से ऑपरेशन, अनुभवी विशेषज्ञों की देखरेख में उपचार तथा विशेष शिविर अवधि में रियायती दरों पर ऑपरेशन की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि मरीजों को कम दर्द, कम रक्तस्राव और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

डीजल उपलब्ध कराने कलेक्टर के आदेश

सीहोर। खाद्य विभाग के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले में किसानों को कृषि कार्यों के लिए डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में आदेश जारी किए हैं। कलेक्टर द्वारा जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों को आदेशित किया गया है कि वे किसानों की सुविधा एवं कृषि कार्यों के लिए निर्धारित पहचान एवं आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर प्लास्टिक कैन में भी अधिकतम 50 लीटर डीजल उपलब्ध कराएं। वर्तमान में किसानों द्वारा खरीफ फसल की बुआई का कार्य प्रारंभ हो चुका है। बुआई एवं अन्य कृषि कार्यों में डीजल की आवश्यकता होती है। इसलिए डीजल विक्रय से संबंधित सभी शासकीय, सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए किसानों को डीजल उपलब्ध कराया जाए।

दो किस्तों में राशि जमा कर सकते हैं विद्यार्थी

सीहोर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के प्राचार्य डॉ रोहिताश्व कुमार शर्मा ने शैक्षणिक सत्र 2026-2027 में कॉलेज में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं का शिक्षण शुल्क दो किस्तों में जमा कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि छात्र-छात्राओं पर आर्थिक बोझ न पड़े। उन्होंने बताया कि एमपी ऑनलाइन काउंटर्स पर विद्यार्थियों को आनलाइन माध्यम से एक साथ पूर्ण शुल्क जमा करने के लिये कहा जा रहा है, जिससे विद्यार्थी असमंजस में पड़ रहे हैं। विद्यार्थी दो किस्तों में अपनी फीस जमा कर सकते हैं।

जिला प्रशासन ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ छेड़ा बड़ा अभियान

अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर का कहर!

4 ध्वस्त, 20 को नोटिस, प्रशासन सख्त

जागरण, सीहोर। शहर में अवैध कॉलोनियों का जाल कुकुरमुत्तों की तरह फैलता जा रहा था, दैनिक जागरण समाचार पत्र के द्वारा लगातार इस समस्या को लेकर सवाल उठाते हुए समाचारों का प्रमुखता से प्रकाशन किया था जिसके परिणाम स्वरूप अब प्रशासन ने इस पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। नगर पालिका और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने बुधवार को गणेश मंदिर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए 4 अवैध कॉलोनियों के निर्माण कार्य को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही 20 कॉलोनाइजरों को नोटिस जारी कर साफ चेतावनी दी गई है कि नियमों का पालन नहीं किया तो आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। दरअसल शहर में लंबे समय से कॉलोनाइजर उपभोक्ताओं को सब्जबाग दिखाकर प्लाट बेच देते थे और बाद में रफूचक्कर हो जाते थे। इसके बाद प्लाट खरीदार बिजली, पानी, सड़क और नाली जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए दफ्तरों के चक्कर काटते रहते थे। अब शासन के निर्देश पर प्रशासन ने नए और अवैध रूप से बन रही कॉलोनियों को चिन्हित कर सीधी कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई के बीच ही स्थानीय लोगों में नाराजगी भी सामने आई है। स्थानीय निवासियो का सीधा आरोप है कि प्रभावशाली लोगों से जुड़ी अवैध संपत्तियों को बचाया जा रहा है, जबकि आम और छोटे कॉलोनाइजरों पर ही गाज गिराई जा रही है। उनका कहना है कि जिले में वर्षों से कई बड़ी अवैध कॉलोनियां फल-फूल रही हैं, लेकिन प्रशासन की नजर अभी सिर्फ नई और छोटी कॉलोनियों तक ही सीमित है।

कहा भेदभाव का कोई सवाल नहीं

तहसीलदार अमित सिंह ने कहा कि कार्रवाई पूरी तरह नियम-कानून के दायरे में हो रही है और किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जा रहा। उन्होंने बताया कि नोटिस जारी करने के बाद भी जब कॉलोनाइजरों ने मौके पर निर्माण कार्य जारी रखा, तो प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बिना अनुमति बनी संरचनाओं को ध्वस्त करने का फैसला लिया। अन्य पुरानी अवैध कॉलोनियों पर सवाल किए जाने पर तहसीलदार ने स्पष्ट किया कि फिलहाल प्राथमिकता नई बन रही अवैध कॉलोनियों पर है, जबकि पहले से विकसित हो चुकी कॉलोनियों के लिए शासन की अलग नीति है, जिसके अनुसार चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई होगी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि निर्धारित समय में अनुमति न लेने वाले बाकी 20 कॉलोनाइजरों पर भी जल्द कार्रवाई होगी।

खबर का असर

क्या भू-माफियाओं तक पहुंचेगा बुलडोजर?

यह अभियान तभी सही मानी जाएगी, जब बड़े भू-माफियाओं और प्रभावशाली संरक्षकों पर भी इसी तरह की सख्ती दिखाई जाए। अभी तो लोगों की निगाहें इस पर टिकी हैं कि प्रशासन का यह बुलडोजर अभियान कितनी दूर तक और कितनी निष्पक्षता से जाता है या फिर यह महज एक प्रतीकात्मक कार्रवाई बनकर रह जाता है। शहर में लगभग सभी गली मोहल्लों में लोगों ने अपने ओटले नाली के बाहर बनाकर अतिक्रमण कर रखा है अनेक स्थानों पर तो पैदल निकलना भी दूभर हो जाता है जहां पर पहले मेला उठाने के लिए भेंसा गाड़ी तक आसानी से निकलती थीं बहां से पैदल निकलना भी दूभर है।

वैष्णो देवी कटरा में छूटे यात्री को लेकर लौटे अनुरक्षक

जागरण, सीहोर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 13 जून को वैष्णो देवी यात्रा के लिए रवाना हुए सीहोर जिले के तीर्थ यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए तैनात अनुरक्षकों ने जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का परिचय दिया। यात्रा के दौरान तीर्थ यात्री अनोखीलाल थकान के कारण देवी भवन मार्ग से आगे नहीं निकल पाए और वहीं रुक गए थे। इसकी जानकारी मिलने पर सीहोर के अनुरक्षक श्री नवल किशोर शुक्ला एवं श्री प्रदीप वानिया तथा ट्रेन कोच अटेंडर उन्हें लेने के लिए पहुंचे और सुरक्षित अपने साथ लाए। अनोखीलाल पूरी तरह स्वस्थ हैं । अनुरक्षकों के साथ अनोखी लाल 4 घंटे बाद वापस अपने तीर्थ यात्रियों के दल में ट्रेन में आ गए। तीर्थ यात्रियों का दल 18 जून को वापस सीहोर पहुंचेगा।

अनोखीलाल ने बताया कि अनुरक्षकों ने उनका परिवार के सदस्य की तरह ध्यान रखा और हर संभव सहायता की। उन्होंने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से मिल रही सुविधाओं की सराहना करते हुए प्रदेश सरकार एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया। यात्रा में शामिल अन्य तीर्थ यात्रियों ने भी बताया कि उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि पूरी यात्रा सुविधाजनक और व्यवस्थित रही। अनुरक्षकों द्वारा लगातार यात्रियों की देखरेख और सहायता की जा रही है, जिससे बुजुर्ग तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित एवं सुखद यात्रा का अनुभव मिल रहा है।

प्रतिवर्ष सीधी भर्ती से 60 पद भरे जाएंगे

सीहोर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सतत प्रयासों एवं मार्गदर्शन से वर्ष 2021 के बाद उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी भर्ती प्रक्रिया पुनः प्रारंभ की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यह पहल खिलाड़ियों के लिए सम्मानजनक रोजगार सुनिश्चित करने के साथ उन्हें अपने खेल प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धात्मक तैयारी को निरंतर जारी रखने में भी सहायक सिद्ध होगी। गृह विभाग ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार `मध्यप्रदेश पुलिस (उत्कृष्ट खिलाड़ियों की नियुक्ति) नियम, 2021 'में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। शासकीय राजपत्र में 15 जून 2026 को अधिसूचना प्रकाशित कर दी गई है। संशोधित नियमों में उत्कृष्ट खिलाड़ियों के चयन, पात्रता एवं मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाया गया है। अब मध्यप्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में अवसर प्राप्त होंगे। प्रतिभाशाली खिला?यों को पुलिस में उप निरीक्षक के 10 एवं आरक्षक के 50 पदों पर सीधी नियुक्ति का अवसर मिलेगा। नए प्रावधानों में खेल कोटे से भर्ती प्रक्रिया नियमित रूप से प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाएगी।

12 से 17 जून तक आयोजित शिविरों में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के नागरिकों को मिला योजनाओं का लाभ

जागरण, सीहोर। विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून से 21 जून तक प्रदेशभर में संचालित किए जा रहे जनकल्याण अभियान के तहत सीहोर जिले में भी नागरिकों को शासन की जनहितैषी योजनाओं से जोड़ने और उनके द्वारा दिए गए आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देशन में जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में आयोजित इन शिविरों में बड़ी संख्या में नागरिक लाभान्वित हुए।

12 जून से 17 जून तक आयोजित जनकल्याण शिविरों में जिलेभर से 31 हजार 624 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 31 हजार 556 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। वहीं 68 आवेदन लंबित हैं, जिनका निराकरण भी शीघ्र किया जा रहा है। शिविरों में जनपद पंचायत एवं नगरीय निकाय स्तर पर नागरिकों द्वारा दिए गए आवेदनों पर कार्रवाई की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लॉक सीहोर में 6267 आवेदनों में से 6257, इछावर में 4371 में से 4371, आष्टा में 4150 में से 4150, भैरूंदा में 3964 में से 3906 और बुधनी में 3830 में से 3830 आवेदनों का निराकरण किया गया।

इसी प्रकार नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका सीहोर के 2799, आष्टा के 1533, नगर परिषद बुधनी के 999, इछावर के 771, रेहटी के 635, भैरूंदा के 627, कोठरी के 600, जावर के 577 और शाहगंज के 501 आवेदनों का निराकरण किया गया। जनकल्याण शिविरों में नागरिकों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर संबंधित विभागों द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया गया। शिविरों के माध्यम से लोगों को योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।

कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान के अंतर्गत प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचे और नागरिकों द्वारा दिए गए आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। सीहोर जिले में जनकल्याण अभियान आमजन और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय का माध्यम बन रहा है, जिससे नागरिकों को स्थानीय स्तर पर ही शासकीय सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता निशुल्क प्रशिक्षण शिविर आयोजित

जागरण, सीहोर। शहर के चर्च मैदान पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में स्वर्गीय कैलाश सारंग के स्मृति में दूसरे वर्ष भी जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के 12 वे दिन दिन लीग मैच आयोजित किया जा रहे हैं आज दो मैच खेले गए पहला मैच जूनियर वर्ग में सीहोर चिल्ड्रन विरुद्ध डीएसवाईडब्लू के मध्य खेला गया जिसमें सीहोर चिल्ड्रन 1-0 से विजय रही सीहोर चिल्ड्रन की तरफ से अथर्व ने एक गोल किया सीनियर वर्ग में सीहोर क्लब विरुद्ध सीहोर बाइज के मध्य खेला गया जिसमें यह मैच 1-1 गोल की बराबरी पर रहा सीहोर क्लब की तरफ से पुष्प ने एक गोल किया सीहोर बाइज की तरफ से युवराज ने एक गोल किया। प्रतियोगिता में गुरुवार को दो मैच खेले जाएंगे इसमें पहले में जूनियर वर्ग में सीहोर क्लब विरुद्ध सीहोर बाइज के मध्य खेला जाएगा सीनियर वर्ग में आर एस आई विरुद्ध डीएसवाईडब्लू के मध्य खेला जाएगा इस संबंध में एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि शहर के चर्च मैदान में युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने एवं फुटबॉल प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से निशुल्क फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से ब?ी संख्या में बालक एवं युवा खिला?ी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण शिविर में अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा खिला?यों को फुटबॉल के मूलभूत नियम, फिटनेस, बॉल कंट्रोल, पासिंग, ड्रिब्लिंग, शूटिंग एवं टीम भावना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी।

मनाई गई महाराणा प्रताप व महाराज छत्रसाल जयंती

सीहोर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा सीहोर हिमांश पैलेस गार्डन चाणक्यपुरी मे महाराणा प्रताप एवं छत्रसाल जयंती हर्षोल्लास एवं समारोहपूर्वक मनाई गई। हिमांश पैलेस गार्डन चाणक्यपुरी मे आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे आई एस तोमर डीन कृषि महाविद्यालय सीहोर अतिथि के रूप में बलवीर सिंह तोमर पूर्व अध्यक्ष जिला कांग्रेस, ईश्वर सिंह चौहान, देवेन्द्र सिंह चौहान करणी सेना, शिवजी सिंह अध्यक्ष भोजपुरी समाज, धर्मेन्द्र सिंह ठाकुर वरिष्ठ कांग्रेस नेता, रामपाल सिंह, गुरुदेव सिंह, भंवर सिंह पाडलिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा महेन्द्र सिंह राठौड़ ने की।

महाराणा प्रताप जयंती चलसमारोह का पं. दुबे मित्रमण्डली ने किया भव्य स्वागत

जागरण, सीहोर। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में नगर के प्रमुख मार्गों से चल समारोह निकला। चलसमारोह में ढोल ताषे, डीजे आकर्षण का केन्द्र रहे। चल समारोह को स्थानीय भगवान परशुराम चौराहा कोतवाली पर पं.महेश दुबे मित्रमण्डली के द्वारा वरिष्ठजनों को साफा पहनाकर पुष्पहारों भव्य स्वागत किया गया।

इस मौके पर श्री दुबे ने अपने व्यतव्य में कहा कि महाराणा प्रताप जी ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आत्मसम्मान और मातृभूमि के प्रति संकल्प से कभी समझौता नहीं किया। उनका शौर्य, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रप्रेम आज भी प्रत्येक भारतीय के हृदय में देशभक्ति की ज्योति प्रज्वलित करता है। अदम्य साहस, अद्भुत पराक्रम व अप्रतिम वीरता के पर्याय, महान योद्धा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती पर सादर नमन। इस अवसर पर स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से भाजपा पूर्व मण्डल अध्यक्ष अशोक सिसोदिया, सुनील लोवानिया, रमेश चन्द्रवंशी, हीरालाल प्रजापति, जितेन्द्र साहू, विष्णु बड़ोदिया, रामचन्दर पटेल, विजय दुबे, यश दुबे सहित बड़ी संख्या में साथीगण उपस्थित रहे।

पावर हाउस चौराहे पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण, मंत्री करणसिंह वर्मा एवं कार्तिकेय चौहान रहे मौजूद

महाराणा प्रताप की प्रतिमा अनावरण में गूंजा राष्ट्रभक्ति का स्वर

जागरण, सीहोर। शहर ने महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर एक ऐसे ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने का गौरव प्राप्त किया, जिसने हर नागरिक के मन में राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और वीरता की भावनाओं को और प्रखर कर दिया। पावर हाउस चौराहे पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा का अनावरण राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा एवं कार्तिकेय चौहान द्वारा विधिवत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, मेवाड़ा समाज के सदस्य और नागरिक उपस्थित रहे। वहीं विधायक श्री सुदेश राय ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ कोतवाली चौराहे पर भवय चल समारोह का स्वागत किया।

प्रतिमा अनावरण के साथ ही नगर में भव्य चल समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शामिल श्रद्धालुओं के हाथों में केसरिया ध्वज लहरा रहे थे और वातावरण महाराणा प्रताप के जयघोष से गूंज रहा था। चल समारोह में सजाई गई झांकियां महाराणा प्रताप के संघर्ष, शौर्य और बलिदान की अमर गाथा को जीवंत कर रही थीं। इन झांकियों ने उपस्थित लोगों को इतिहास के गौरवशाली अध्यायों की याद दिला दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा ने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के ऐसे महानायक हैं, जिन्होंने राष्ट्र, धर्म और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी महाराणा प्रताप ने कभी अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया और संघर्ष के मार्ग पर अडिग रहे। उनका जीवन साहस, त्याग, पराक्रम और राष्ट्रभक्ति की अद्वितीय मिसाल है, जो आज भी युवाओं को अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।

युवा नेता कार्तिकेय चौहान ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल इतिहास के एक योद्धा नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और राष्ट्रभक्ति की जीवंत प्रेरणा हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि यदि नई पीढ़ी महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपने जीवन में उतार ले, तो समाज और राष्ट्र दोनों का भविष्य और अधिक सशक्त बन सकता है। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की भी सराहना की। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि नगर की सांस्कृतिक पहचान और गौरवशाली विरासत को संरक्षित करना नगर पालिका की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप की यह प्रतिमा केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को साहस, राष्ट्रप्रेम और स्वाभिमान का संदेश देने वाला प्रेरणा केंद्र बनेगी। नगर के विकास के साथ-साथ महापुरुषों के सम्मान में किए जा रहे कार्य समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम बन रहे हैं।

नशा मुक्त भारत सप्ताह का शुभारंभ, 26 जून तक चलेंगे जनजागरुकता कार्यक्रम

सीहोर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के परिपालन में जिले में नशा मुक्त भारत सप्ताह' का शुभारंभ किया गया। यह विशेष अभियान 26 जून तक चलेगा। बुधवार को शहर के सैक ?रखे ?ी स्थित संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र में आयोजन किया गया। इस मौके पर ब ?ी संख्या में हितग्राही मौजूद थे। अभियान का शुभारंभ उप संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग महेश कुमार यादव द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। यह आयोजन मादक द्रव्यों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस, 26 जून के अवसर पर किया जा रहा है। इस अवसर पर आई एम अगेंस्ट टोबैको संस्था के प्रमुख प्रदीप छाबड़ा, अनुज शिवहरे, सचिन गोस्वामी, विजय लक्ष्मी, दीपाली सोलंकी, प्रीति मौर्य, मुकेश राय, सावन गांगले, नीरज यादव एवं प्रफुल्ल कुमार श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय परिसमापक एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक सहकारी संस्थाऐं जिला सीहोर

क्रमांक/परिसमापन/2026/क्यू-3 दिनांक 16/06/2026

-: साधारणसभा की सूचना:-

समस्त सदस्य महानुभाव,

प्रगतिशील महिला सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्यादित आष्टा तहसील आष्टा जिला सीहोर पंजीयन क्रमांक 1092, दिनांक 30.12.1996, को उप पंजीयक के आदेष क्रमांक/परिसमापन/2016/60, दिनांक 14.01.2016 से परिसमापन में लाया जाकर अद्योहस्ताक्षरकर्ता (आर. सी. रैकवाल) को परिसमापक नियुक्त किया गया था। आदेष के परिपालन में देनदारी एवं लेनदारी का निराकरण किया जाना है। संस्था के पंजीयन निरस्ती हेतु आमसभा किया जाना आवष्यक है।

अतः संस्था के सभी सदस्यों हेतु मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम 1962 के नियम 57 (एल) के प्रावधानों के अन्तर्गत दिनांक 29.06.2026 दोपहर 12.00 बजे स्थान कार्यालय विपणन सहकारी संस्था मर्यादित आष्टा में निम्नांकित विषयों पर आमसभा आहुत की गई है।

गणपूर्ति के लिए अधिनियम/नियम/उपविधि के प्रावधान अनुसार होगा ।

सही/- (आर. सी. रैकवाल)
वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक एवं परिसमापक
प्रगतिशील महिला सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्यादित आष्टा

न्यूज कार्नर

26 को मनाया जाएगा नशा मुक्त भारत सप्ताह

जागरण, हरदा। सामाजिक एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग हरदा द्वारा जिले में 17 से 26 जून तक नशा मुक्ति सप्ताह मनाया जाएगा। सप्ताह के दौरान संबंधित विभागों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी निरोधक साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग कमलेश सिंह ने बताया कि नशा मुक्त भारत सप्ताह का आयोजन नशा मुक्त भारत अभियान विकसित भारत की पहचान की थीम पर मनाया जाएगा। इस दौरान शैक्षणिक संस्थाओं के माध्यम से सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, शपथ ग्रहण जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएगी। सप्ताह के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा नशा मुक्त हो चुके हितग्राहियों की सफलता की कहानी एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मानव श्रृंखला व शपथ का आयोजन किया जाएगा। साथ ही खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा फुटबॉल व हॉकी टूर्नामेंट एवं मैराथन का आयोजन किया जाएगा। श्री सिंह ने बताया कि नेहरू युवा केंद्र एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा जिले में ओपन माइक प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य, लोक गीत, सामुदायिक स्थान पर शपथ नशा मुक्ति पत्र का वितरण एवं पोस्टर चस्पा किए जाएंगे साथ ही समूह चर्चा भाषण जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जाएगी।

प्रेम बाई के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त

जागरण, खिरकिया। स्व गोविंद प्रसाद विश्वकर्मा की धर्मपत्नी, स्व अशोक विश्वकर्मा, सत्यनारायण विश्वकर्मा, सन्तोष विश्वकर्मा की माताजी एवं सौरभ विश्वकर्मा, अंकुश विश्वकर्मा की दादी प्रेम बाई विश्वकर्मा का निधन मंगलवार 16 जून की रात्रि को हो गया। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को खिरकिया मुक्तिधाम में किया गया। उनके निधन पर समाजजनों, स्नेहीजनों ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की।

भजनों पर देर रात तक झूमे जिलेभर के भक्त

जागरण, खिरकिया। राजा अजमल तंवर कई वर्षों तक निःसंतान थे। एक बार किसान बोवनी करने खेत जा रहे थे तो राजा सामने आ गए। किसानों ने कदम पीछे खींच लिए। राजा ने जोर देकर पूछा तो किसानों ने सच बताया कि निःसंतान राजा का मुंह देखकर बीज बोने से अकाल पड़ जाता है। इससे राजा दुखी हुए। रानी को यह बात बताई और भगवान द्वारकाधीश की शरण में जाने का निर्णय लिया। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर द्वारकाधीश ने उन्हें दो पुत्र दिए। एक का नाम बीरमदेव तथा दूसरे का रामदेव रखा गया। यही रामदेव कृष्ण के अवतार में पूजे जा रहे हैं। चारुवा के किला प्रांगण में मंगलवार रात आयोजित बाबा रामदेव कथा और जम्मा जागरण में राजकुमार असारी ने बाबा रामदेव के जन्म की यह कथा सुनाई। उन्होंने कहा बाबा रामदेव का जन्म विक्रम संवत 1409 में भादपद की दूज को हुआ था। उन्होंने बाबा रामदेव के विवाह का भी रोचक प्रसंग सुनाया। खालवा से आए राहुल भाटी व संजू भाटी ने बाबा रामदेवजी का मनमोहक दरबार सजाया। जागरण रात 10 बजे प्रारंभ जो तड़के 4.30 बजे तक चला। बाबा के भजनों का सिवनी मालवा, सोडलपुर, सिराली, खालवा, खिड़किया एवं आसपास के गांवों से आए सैकड़ों भक्तों ने आनंद लिया।

जागरण में बाबा का आह्वान किया

भजन संध्या में गणेश वंदना के बाद बाबा रामदेव का आह्वान किया गया। भजन गायक राहुल बोरावल एवं नीरज पवार ने कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है, मरुधर में जोत जागी गया से जागरण की शुरुआत हुई। इसके बाद बाबा की भक्ति में साढे छह घंटे कब बीत गए, भक्तों को पता ही नहीं चला।

उमस और गर्मी से बेहाल रहे लोग बारिश की आस में टिकी निगाहें

जागरण बुधनी। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार को भी उमस भरी गर्मी का असर देखने को मिला। सुबह से ही तेज धूप निकलने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर होते-होते गर्मी और उमस इतनी बढ़ गई कि लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। दिनभर पसीने से तरबतर लोग गर्मी से राहत पाने के लिए ठंडे स्थानों और पेय पदार्थों का सहारा लेते नजर आए। मौसम के बदलते मिजाज के बीच लोगों की निगाहें अब मानसून की पहली अच्छी बारिश पर टिकी हुई हैं पिछले कुछ दिनों से बुधनी क्षेत्र में मौसम लगातार गर्म बना हुआ है। हालांकि आसमान में बीच-बीच में बादल दिखाई दे रहे हैं, लेकिन बारिश नहीं होने से उमस और अधिक बढ़ गई है। सुबह के समय हल्की हवा चलने से कुछ राहत महसूस होती है, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ता है, गर्मी अपना असर दिखाने लगती है।

दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर सामान्य दिनों की अपेक्षा कम चहल-पहल दिखाई दी। लोग केवल जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले गर्मी और उमस का सबसे अधिक असर मजदूर वर्ग और बाहर काम करने वाले लोगों पर पड़ रहा है। निर्माण कार्यों, दुकानों और खेतों में काम करने वाले लोगों को लगातार पसीना बहाना पड़ रहा है। कई लोगों ने बताया कि उमस के कारण थकान और बेचैनी बढ़ रही है। वहीं छोटे बच्चों और बुजुर्गों को भी गर्मी से काफी परेशानी हो रही है बाजारों में भी गर्मी का असर साफ दिखाई दिया। दोपहर के समय कई दुकानों

पर ग्राहकों की संख्या कम रही। वहीं शाम ढलने के बाद बाजारों में लोगों की भीड़ बढ़ी। ठंडे पेय पदार्थ, लस्सी, शिकंजी, गन्ने का रस, नारियल पानी और आइसक्रीम की दुकानों पर दिनभर ग्राहकों की भीड़ लगी रही। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग बार-बार ठंडे पेय पदार्थों का सेवन करते नजर आए नर्मदा तट पर भी शाम के समय लोगों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली।

कई लोग परिवार के साथ घाटों पर पहुंचे और ठंडी हवा का आनंद लिया। युवाओं और बच्चों ने भी नदी किनारे समय बिताकर गर्मी से राहत पाने का प्रयास किया। कुछ लोगों ने नर्मदा में स्नान कर उमस से राहत महसूस की कृषि क्षेत्र पर भी मौसम का असर दिखाई दे रहा है। किसान खरीफ सीजन की तैयारियों में जुटे हुए हैं, लेकिन पर्याप्त बारिश का इंतजार कर रहे हैं। खेतों की जुताई और अन्य प्रारंभिक कार्य अधिकांश स्थानों पर पूरे हो चुके हैं। किसानों का कहना है कि अच्छी बारिश के बाद ही सोयाबीन, मक्का और धान जैसी फसलों की बुवाई शुरू की जाएगी। यदि समय पर मानसून सक्रिय हो जाता है तो किसानों को राहत मिलेगी और खेती का कार्य गति पकड़ सकेगा।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बढ़ती गर्मी और उमस को देखते हुए लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। चिकित्सकों का कहना है कि इस मौसम में शरीर में पानी की कमी होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए और धूप में निकलते समय सिर को ढंककर रखना चाहिए। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। अधिक देर तक धूप में रहने से चक्कर आना, सिरदर्द और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि मानसून की गतिविधियां धीरे-धीरे सक्रिय हो रही हैं। आने वाले दिनों में बादलों की आवाजाही बढ़ सकती है और कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। यदि बारिश होती है तो लोगों को गर्मी और उमस से काफी राहत मिल सकती है। साथ ही किसानों को भी खेती कार्य शुरू करने का अवसर मिलेगा। नगरवासियों का कहना है कि इस बार गर्मी के साथ उमस ने भी लोगों को खूब परेशान किया है। दिनभर निकलने वाला पसीना और चिपचिपाहट लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर रही है। ऐसे में सभी को अब अच्छी बारिश का इंतजार है। बारिश होने से जहां तापमान में गिरावट आएगी, वहीं वातावरण भी सुहावना हो जाएगा।

गौ सेवकों के समर्थन में उतरा राष्ट्रीय बजरंग दल

जागरण बुधनी। सिवनी मालवा क्षेत्र के 14 गौ सेवकों को न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद उनके समर्थन में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मैदान में उतर आए हैं संगठन के प्रतिनिधि सिवनी मालवा पहुंचकर संबंधित गौ सेवकों के परिजनों से मिले और उनका हालचाल जाना इस दौरान संगठन पदाधिकारियों ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि परिवारों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करने दिया जाएगा और संगठन उनके साथ खड़ा है।

राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन न्यायालय के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में कानूनी लड़ाई लड़ेगा। इसके लिए संगठन की ओर से विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी तथा मामले में अपील दायर की जाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन का प्रयास रहेगा कि सभी दोषियों को कानूनी प्रक्रिया के तहत न्याय मिले और उनकी जमानत के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जाएं पदाधिकारियों ने कहा कि यह लड़ाई पूरी तरह संवैधानिक और कानूनी दायरे में लड़ी जाएगी। संगठन ने प्रभावित परिवारों को आश्वस्त किया कि न्यायिक प्रक्रिया के दौरान उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। परिजनों से मुलाकात के दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं ने एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस मामले में लगातार परिवारों के संपर्क में रहेंगे और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराते रहेंगे।

लोगों ने लंबे समय से रुके विवाह समारोहों और अन्य शुभ कार्यों की तैयारियां तेज कर दी

पुरुषोत्तम मास का समापन, अब गूंजने लगीं शादियों की शहनाइयां

जागरण बुधनी। एक माह तक चले पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) के समापन के साथ ही विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों की तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। पुरुषोत्तम मास के दौरान धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, नामकरण और अन्य शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। ऐसे में पूरे महीने मांगलिक आयोजनों पर विराम लगा रहा, लेकिन अब इस विशेष मास के समाप्त होते ही क्षेत्र में एक बार फिर शहनाइयों की गूंज सुनाई देने लगी है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार पुरुषोत्तम मास भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है। इस दौरान श्रद्धालु पूजा-पाठ, जप, तप, दान और धार्मिक अनुष्ठानों में विशेष रुचि लेते हैं। हालांकि विवाह जैसे मांगलिक कार्यों को इस अवधि में स्थगित रखा जाता है। जैसे ही पुरुषोत्तम मास का समापन हुआ, लोगों ने लंबे समय से रुके विवाह समारोहों और अन्य शुभ कार्यों की तैयारियां तेज कर दी हैं।

बुधनी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में विवाह आयोजनों को लेकर उत्साह का माहौल दिखाई दे रहा है। शादी के लिए बुक किए गए मैरिज गार्डन, धर्मशालाएं, बैंक्वेट हॉल और सामुदायिक भवन अब फिर से सजने लगे हैं। कैटरिंग, टेंट, साउंड सिस्टम, बैंड-बाजा, डेकोरेशन और फोटोग्राफी से जुड़े व्यवसायियों के यहां भी रौनक लौट आई है। पिछले एक माह से अपेक्षाकृत शांत रहे इन व्यवसायों में अब कामकाज बढ़ने की उम्मीद है स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि पुरुषोत्तम मास के कारण विवाह समारोहों में कमी आई थी, जिससे उनके कारोबार पर भी असर पड़ा था। अब शुभ मुहूर्त शुरू होने के साथ ही बड़ी संख्या में बुकिंग मिल रही हैं।

टेंट व्यवसायियों, फूल विक्रेताओं, हलवाई और बैंड संचालकों का कहना है कि आगामी दिनों में लगातार विवाह समारोह आयोजित होने वाले हैं, जिससे रोजगार और व्यापार दोनों को गति

मिलेगी क्षेत्र के कई परिवारों ने पहले से ही अपने विवाह कार्यक्रमों की तिथियां निर्धारित कर रखी थीं और पुरुषोत्तम मास समाप्त होने का इंतजार कर रहे थे। अब घरों में रिश्तेदारों के आने-जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। शादी के कार्ड बांटे जा रहे हैं और खरीदारी का दौर भी तेज हो गया है। बाजारों में कपड़े, आभूषण, उपहार सामग्री और सजावटी सामान की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ बढ़ने लगी है महिलाओं में भी विवाह की तैयारियों को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। मेहंदी, संगीत और अन्य पारंपरिक कार्यक्रमों की योजनाएं बनाई जा रही हैं।

युवाओं में भी विवाह समारोहों को लेकर उत्सुकता है। लंबे समय बाद एक साथ कई शादियां होने से सामाजिक आयोजनों की रौनक बढ़ गई है धार्मिक दृष्टि से भी पुरुषोत्तम मास का विशेष महत्व माना जाता है। इस दौरान मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, भागवत कथा, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने दान-पुण्य कर भगवान विष्णु की आराधना की। मास के समापन पर विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजन और आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया ज्योतिष विशेषज्ञों के अनुसार आगामी दिनों में कई शुभ मुहूर्त उपलब्ध हैं, जिनमें बड़ी संख्या में विवाह संपन्न होंगे। इसके चलते विवाह उद्योग से जुड़े सभी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी सामूहिक विवाह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह समारोहों की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

सामाजिक रूप से भी विवाह समारोह लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। परिवारों और रिश्तेदारों का मिलन, पारंपरिक रीति-रिवाजों का निर्वहन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में उत्साह और उल्लास का वातावरण बनता है। पुरुषोत्तम मास की समाप्ति के साथ ही यही उत्साह अब पूरे क्षेत्र में दिखाई देने लगा है। कुल मिलाकर, एक माह तक धार्मिक साधना और संयम के लिए समर्पित रहे पुरुषोत्तम मास के समापन के बाद अब बुधनी क्षेत्र में मांगलिक कार्यों का दौर शुरू हो गया है।

अधिकमास के समापन पर भंडारा

जागरण, इटारसी। सूरज गंज स्थित शंकर मंदिर में अधिकमास के पावन माह पर चल रहे एक माह के सुंदरकांड पाठ का समापन भव्य भंडारे के साथ हुआ। पूरे महीने सूरज गंज की मातृशक्तियों द्वारा यहां प्रतिदिन सुंदरकांड का आयोजन किया जा रहा था। अधिकमास के अंतिम दिन संध्याकाल में भव्य महाआरती की गई और भगवान को भोग लगाया गया। इसके बाद कन्या पूजन व भोजन कराया एवं सुहागिन महिलाओं को सुहाग सामग्री भेंट कर भंडारे की शुरुआत हुई। भंडारे में क्षेत्र के सभी परिवारों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस सफल आयोजन में श्रीमती वर्षा अग्रवाल, ममता मालवीय, ममता अग्रवाल, अर्चना मालवीय, अमिता मालवीय, अनु नामदेव, सुरभि शर्मा आदि मातृशक्तियों का विशेष योगदान रहा।

प्रज्ञान स्कूल के समर कैंप का रंगारंग समापन, बच्चों ने सीखे रचनात्मक गुर

जागरण, इटारसी। प्रज्ञान सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित 15 दिवसीय समर कैंप का रचनात्मक और उत्साहपूर्ण माहौल में सफल समापन हुआ। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों की ग्रीष्मकालीन छुट्टियों को उपयोगी बनाना और उनकी खेल व कलात्मक प्रतिभा को निखारना था।

15 दिनों के दौरान विद्यार्थियों ने ध्यान, योग, जुम्बा, नृत्य, कला एवं शिल्प, क्ले मॉडलिंग, ओरिगामी, इनडोर गेम्स और व्यक्तित्व विकास जैसी कई ज्ञानवर्धक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इन गतिविधियों से बच्चों के आत्मविश्वास, संचार कौशल और टीमवर्क की भावना को बढ़ावा मिला।

अंतिम दिन बच्चों ने दिखाई फायरलेस कुकिंग: समर कैंप के अंतिम दिन फायरलेस कुकिंग के तहत सैंडविच मेकिंग एक्टिविटी का आयोजन किया। इसमें बच्चों ने बिना आग के स्वादिष्ट और पौष्टिक सैंडविच तैयार किए और स्वच्छता व सहयोग का व्यावहारिक ज्ञान सीखा। विद्यालय प्रबंधन ने कैंप को सफल बनाने के लिए सभी अभिभावकों का आभार जताया। आयोजन में शिक्षकों वर्षा, चित्रा, अंजना, कोमल, विभा, निहारिका और सूरज का सहयोग रहा।

न्यायाधीश ने रोपे पौधे

जागरण, इटारसी। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से ग्राम पंचायत परिसर पथरोटा में तहसील विधिक सेवा समिति इटारसी एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला न्यायाधीश आदित्य रावत की मुख्य उपस्थिति में परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए।

मेधावी विद्यार्थियों का आज होगा सम्मान

जागरण, इटारसी। कौशल विकास समिति द्वारा आज, 18 जून को दोपहर 2 बजे से पं. भवानी प्रसाद मिश्र ऑडिटोरियम में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समिति अध्यक्ष सतीश बिल्लौरे ने बताया कि प्रतिभा का उत्सव भविष्य की तैयारी थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में 12वीं के मेधावी छात्रों का सम्मान करने के साथ ही उन्हें करियर व छात्रवृत्ति का मार्गदर्शन दिया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा होंगे और अध्यक्षता नपाध्यक्ष पंकज चौरे करेंगे।

शराब के नशे में की अड़ीबाजी, मारपीट

इटारसी। हनुमान मंदिर शिवाजी नगर के पास शराब के नशे में एक युवक से अड़ीबाजी कर पैसे मांगने, झूमाझटकी करने और जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी के खिलाफ इटारसी पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार फरियादी अमन 24 वर्ष, पिता राजकुमार रजक, निवासी कृष्णा विहार कॉलोनी पुरानी इटारसी ने शिकायत दर्ज कराई कि जब वह शिवाजी नगर में हनुमान मंदिर के पास था, तब वहीं के निवासी आरोपी वीरेंद्र, पिता शिवकरण सावनेर ने शराब के नशे में उसके साथ अड़ीबाजी की और पैसों की मांग की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सांसद सिंह ने की भेंट प्राकृतिक कृषि विधेयक पर जताया आभार

जागरण, इटारसी। होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से सौजन्य भेंट की।

सांसद चौधरी ने प्राकृतिक कृषि संवर्धन विधेयक-2025 को लोकसभा में चर्चा के लिए स्वीकृति प्रदान करने पर राष्ट्रपति का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति की किसानों और कृषि उन्नयन के प्रति संवेदनशीलता देश के अन्नदाताओं के लिए आशा और विश्वास का नया संदेश है। मुलाकात के दौरान दोनों के बीच प्राकृतिक खेती को

राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने, गौ-आधारित कृषि व्यवस्था को सशक्त बनाने, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय दोगुनी करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

अतीत के जमीनी अनुभवों को किया साझा: सांसद चौधरी ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्होंने प्रदेशभर में व्यापक अभियान चलाया था। लाखों किलोमीटर की यात्रा कर हजारों किसानों को इस पद्धति से जोड़ा गया, जिसके सकारात्मक परिणाम अब सामने आ रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि संसद में इस विधेयक पर चर्चा होने से देश में प्राकृतिक खेती को एक नई और स्थायी पहचान मिलेगी।

सिया रिजॉर्ट में 'गोदावरी रेस्टोरेंट' का हुआ आगाज

जागरण, इटारसी। नगर के समीपस्थ ग्राम सोनासावरी स्थित 'सिया रिजॉर्ट' परिसर में अग्रवाल कैटरर्स के नए प्रतिष्ठान गोदावरी रेस्टोरेंट का बुधवार, 17 जून को सुबह 11 बजे शुभारंभ हुआ। रेस्टोरेंट का उद्घाटन विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर शहर के राजनैतिक और सामाजिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में विशेष रूप से कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडे, नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, सिया रिजॉर्ट के संचालक जगदीश मालवीय अग्रवाल रेस्टोरेंट के मनोज अग्रवाल उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक शर्मा, गोपाल शर्मा, पवन अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, मोनू अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक और महिला-पुरुष उपस्थित थे। सिया रिजॉर्ट में गोदावरी रेस्टोरेंट के शुरू होने से अब क्षेत्रवासियों और हाईवे से गुजरने वाले पर्यटकों को खान-पान और शानदार माहौल का एक नया विकल्प मिलेगा।

प्रबंधन : सोमवती अमावस्या पर नर्मदापुरम स्टेशन बना मिसाल, सूझबूझ से टला बड़ा खतरा

जागरण, इटारसी। सोमवती अमावस्या और अधिक मास के दुर्लभ संयोग पर आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन वर्षों बाद 'लघु कुंभ' के रूप में नजर आया। करीब दो दशकों बाद बने इस विशेष संयोग पर एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ स्टेशन पर उमड़ पड़ी।

दोनों प्लेटफार्म, दोनों पैदल पुल और दोनों सर्कुलेटिंग एरिया पैर रखने की जगह भी नहीं बची थी। लेकिन, इस अभूतपूर्व चुनौती के बीच नर्मदापुरम रेल प्रशासन ने कुशल प्रबंधन, अनुकरणीय नेतृत्व और अद्वितीय सूझबूझ का परिचय देते हुए न केवल एक बड़ी मानवीय त्रासदी को टाल दिया, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं को सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित किया गया।

नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन के इस 'क्राइसिस मैनेजमेंट' और अधिकारियों के 'लीडरशिप रोल' की हर तरफ जमकर सराहना हो रही है। रेल कर्मचारियों के इस जज्बे और कर्तव्यनिष्ठा ने यह साबित कर दिया कि यदि नेतृत्व सजग हो, तो सबसे बड़ी चुनौती को भी पूरी तरह सुरक्षित और सफल बनाया जा सकता है।

जब संकट की घड़ी में नेतृत्व ने संभाला मोर्चा

भीड़ का दबाव इतना अधिक था कि यात्री ट्रेनों में चढ़ने के लिए प्लेटफार्म के साथ-साथ दूसरी तरफ (ट्रैक वाली साइड) से भी प्रयास करने लगे। ऐसी स्थिति में थ्रू (नॉन-स्टॉप) ट्रेनों के गुजरने से शत-प्रतिशत गंभीर हादसे की आशंका बन गई थी।

विपरीत परिस्थितियों में स्टेशन

प्रबंधक देवेन्द्र सिंह चौहान और आरपीएफ प्रभारी आरडी चौधरी ने अपनी टीम के साथ अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर कमान संभाली। अफसरों ने केवल केबिन में बैठकर निर्देश देने के बजाय स्वयं मौके पर रहकर व्यवस्था का नेतृत्व किया। निरंतर उद्घोषणा (अनाउंसमेंट) के बावजूद जब बेकाबू भीड़ ट्रैक पर उतरने लगी, तो रेल प्रबंधन ने त्वरित और ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए थ्रू ट्रेनों को आउटर पर ही रोक-रोककर चलाने का फैसला किया।

अंतर-स्टेशन समन्वय की दिखी अनूठी झलक

विशाल भीड़ को नियंत्रित करने नर्मदापुरम रेल प्रशासन ने एक व्यापक रणनीति के तहत काम किया। केवल अपने स्टेशन पर ही नहीं, बल्कि आसपास के प्रमुख स्टेशनों जैसे इटारसी, बुदनी, रानी कमलापति और विदिशा से लगातार समन्वय स्थापित किया गया। इन सभी स्टेशनों पर पहले से ही यात्रियों के लिए लगातार अनाउंसमेंट कराए, ताकि भीड़ को पहले से ही सतर्क और प्रबंधित किया जा सके।

बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न हुआ महा-अभियान

आमतौर पर ऐसी अनियंत्रित भीड़ में भगदड़ या दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, लेकिन नर्मदापुरम स्टेशन स्टाफ और सुरक्षाबलों के अथक परिश्रम का ही परिणाम था कि पूरा त्योहार बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से उनके गंतव्य तक पहुंचाना भारतीय रेलवे के बेहतरीन तालमेल की कहानी बयां करता है।

सुरक्षा सर्वोपरि : हादसे की शत-प्रतिशत संभावना के बीच रेल प्रबंधन ने ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लगाकर एक लाख से अधिक जिंदगियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। यह तात्कालिक निर्णय उनकी संवेदनशीलता और उत्कृष्ट संकट प्रबंधन को दर्शाता है। जिससे एक संभावित संकट टाला जा सका।

महाराणा प्रताप चौराहे पर शीघ्र ही होगी प्रतिमा स्थापित : नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा

मेवाड़ा राजपूत समाज ने मनाई महाराणा प्रताप जयंती, जनसमुदाय ने लगाए जयकारे

जागरण, आष्टा। मेवाड़ा राजपूत समाज द्वारा शौर्य, पराक्रम और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रतापजी की जयंती भोपाल नाका स्थित महाराणा प्रताप चौराहा पर हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा मौजूद थें। कार्यक्रम की शुरुआत में समाजजनों और अतिथियों द्वारा महाराणा प्रतापजी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं द्वीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित जनसमुदाय ने महाराणा प्रताप के जयकारों से पूरे परिसर को गुंजायमान कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने महाराणा प्रतापजी के अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को याद किया। श्री मेवाड़ा ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उनके स्वाभिमान और वीरता की गाथाएं आज भी युवाओं में राष्ट्रप्रेम की अलख जगाती हैं। यह हमारे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि आगामी वर्षों में इस भोपाल नाका स्थित महाराणा प्रताप चौराहे पर अगली जयंती हम सभी समाजजन और नगरवासी मिलकर भव्य प्रतिमा की मौजूदगी में और अधिक धूमधाम के साथ वीर शिरोमणी की जयंती मनाएंगे। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री मेवाड़ा ने कहा कि इतिहास केवल बीते समय की घटनाओं का संग्रह नहीं होता। इतिहास हमें यह भी बताता है कि कठिन परिस्थितियों में व्यक्ति कैसे निर्णय लेता है, अपने मूल्यों की रक्षा कैसे करता है, आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी मिसाल छोड़ता है, भारत के इतिहास में महाराणा प्रताप ऐसा ही एक नाम हैं, जिनका जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती पर युवा उनके जीवन से लाइफ मैनेजमेंट सीख सकते हैं। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री मेवाड़ा ने कहा कि महाराणा प्रताप को अक्सर केवल हल्दीघाटी के युद्ध और उनकी वीरता के लिए याद किया जाता हैं, लेकिन उनका जीवन इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह एक ऐसे शासक की कहानी है, जिसने सत्ता से अधिक स्वाभिमान को महत्व दिया, सुविधाओं से अधिक स्वतंत्रता को चुना और कठिनाइयों के बीच भी अपने लक्ष्य से कभी समझौता नहीं किया।उस अवसर पर समाज अध्यक्ष शिवनारायण पटेल, सजनसिंह मेवाड़ा, अरविन्द जताखेड़ा, रमेश राजपूत, शैलेंद्र मूंदिखेड़ी, बंटी मंडलोई, नरेश डोडिया, विमल मेवाड़ा, सुनील राजपूत, हरीश राजपूत, वीरेंद्र राजपूत, प्रवीण राजपूत, अजय राजपूत, वैभव मेवाड़ा सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थें।

पूर्व विधायक विजयवर्गीय ने अस्पताल पहुंचकर घायलों की ली जानकारी

राजमार्ग पर स्कॉर्पियो पलटी 2 की मौत, 10 लोग घायल

इंदौर से भोपाल जा रहे थे एक ही परिवार के लोग घायल इंदौर रेफर

जागरण, आष्टा। देवास-भोपाल राजमार्ग पर बुधवार को 2 बजे एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार बेकाबू होकर पलट गई। इस सड़क दुर्घटना में कार में सवार इंदौर निवासी दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई तथा कार में सवार अन्य 10 लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने घटना स्थल पर पहुंचे एवं सोनकच्छ के शासकीय अस्पताल में उपचाररत घटनालों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। मृतक इंदौर के पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय के सहयोगी कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार कार में सवार सभी लोग इंदौर से भोपाल की और जा रहे थे, तभी करीब 2 बजे के लगभग सेमलीबारी रोड़ के निकट वाहन एमपी 09 सीडी 3222 हादसे का शिकार हो गया। हादसे की आवाज सुनकर स्थानीय लोग और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे। राहगीरों की मदद से घायलों को सोनकच्छ के शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से सभी घायलों को इंदौर रेफर कर दिया। सड़क हादसे में इंदौर निवासी 38 वर्षीय मयूरेश पिता संतोष गर्ग एवं 51 वर्षीय संगीता पति सुनील अग्रवाल मी मौत हो गई। बताया जा रहा हे कि मृतक मयूरेश गर्ग इंदौर में भाजपा से जुड़े हुए थे। हादसे की जानकारी मिलते ही मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बेटे और पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय भी घटनास्थल और अस्पताल पहुंचे।

सोनकच्छ के शासकीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए इंदौर रेफर कर दिया। घायलों में इंदौर निवासी 62 वर्षीय सुनील अग्रवाल, 36 वर्षीय शर्मिला गर्ग, 10 वर्षीय कनव गर्ग, 28 वर्षीय सुरभि अग्रवाल, डेढ़ साल की बालिका, 26 वर्षीय पलक, 30 वर्षीय रिमी अग्रवाल, 32 वर्षीय प्रखर अग्रवाल, 37 वर्षीय स्वप्नील गर्ग एवं 2 वर्षीय दूरविक गर्ग शामिल हैं। पुलिस ने मर्ग कायम पर जांच शुरू कर दी हैं।

पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय बताया कि इंदौर विधानसभा क्षेत्र 3 के भाजपा कार्यकर्ता मयुरेश गर्ग एंव संगीता अग्रवाल का देवास-भोपाल राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में दुःखद निधन होना गया हैं। यह समाचार मेरे और मेरे परिवार के लिए अत्यंत पीड़ादायक हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए प्रार्थना की हैं कि भगवान पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करे एवं शोकाकुल परिजनों को इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

बड़ा तालाब की फूटी पाल से इस बार भी नहीं रुकेगा पानी, नहीं हुआ गहरीकरण

जागरण, जावर। नगर के पश्चिम क्षेत्र में स्थित बड़ा तालाब का इस वर्ष भी गहरीकरण नहीं हो पाया। इस वर्ष भी तालाब पानी से भर नहीं पाएगा। इसका कारण यह हैं कि इसका वेस्ट बेयर कई वर्षो से क्षतिग्रस्त हैं। यह जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है और तालाब मिट्टी से भर जाने के कारण उथला भी हो गया है। गहरीकरण की जरूरत थी, लेकिन जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया। इस साल भी तालाब का ना तो गहरीकरण हुआ और ना ही मरम्मत के काम हुए। ऐसी स्थिति में इस बार भी तालाब में पानी नहीं रुक पाऐगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तालाब लगभग 26 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। यह तालाब लंबे समय से नगर परिषद जावर में बैठे जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन की उपेक्षा का शिकार हो रहा है। इस तालाब की जमीन पर हर वर्ष कुछ लोग कब्जा कर फसल की बोनी कर देते हैं। लंबे समय से यह तालाब दुर्दशा का शिकार हो रहा हैं। क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी इस तालाब की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। नगर परिषद जावर इस तालाब के काम करवाने में रुचि नहीं ले रही है। अभी तक किसी भी प्रकार की ना तो कोई पहल की गई और ना ही योजना बनाई गई। तालाब में किसी समय सालभर पानी भरा रहता था, लेकिन वर्तमान में इस समय वह पूरी तरह सूखा पड़ा है। इसके जीर्णोद्धार के लिए किसी ने ध्यान नहीं दिया। इस कारण इस तालाब की दुर्दशा दिन प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। सालों पुरानी पाल से मवेशियों, दो पहिया वाहनों और बैलगाड़ी आदि के निकलने से इसकी पाल में जगह-जगह से कट लग चुके हैं। कटाव बारिश के मौसम में इस तालाब के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। साथ ही इसकी जमीन और पाल पर कुछ लोगों द्वारा हर वर्ष कब्जा कर फसल की बोनी कर दी जाती है।

नागरिकों ने मांग पर लगभग 14 वर्ष पहले तालाब के गहरीकरण के लिए 36 लाख रुपए की राशि स्वीकृत हुई थी। उक्त राशि नगर परिषद के खाते में आई थी। राशि से थोड़ा बहुत निर्माण करवाया था। इसमें गहरीकरण पैचवर्क शामिल हैं जिसका ठीक से गहरीकरण और रखरखाव नहीं किए जाने के कारण जर्जर होता जा रहा है।

आचार्य विभवसागर महाराज ससंघ का हुआ मंगल प्रवेश, किला मंदिर में हुए धर्मोपदेश

जागरण, आष्टा। नगर के इंदौर नाका स्थित पार्वती नगर अलीपुर से आचार्य श्री विभव सागर महाराज ससंघ का नगर में मंगल प्रवेश हुआ। इस दौरान समाजजनों ने आचार्यश्री सहित छह मुनिराज एवं तीन आर्यिकाओं की अगवानी की। श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ शोभायात्रा निकाली, जो इंदौर नाका से प्रारंभ होकर पार्वती नगर अलीपुर स्थित चंद्रप्रभ जिनालय से नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र किला मंदिर पहुंचीं।

किला मंदिर में भगवान आदिनाथ एवं पार्श्वनाथ भगवान सहित अन्य भगवान की प्रतिमाओं के दर्शन के पश्चात आचार्यश्री ने धर्मसभा को संबोधित किया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री विभव सागर महाराज ने श्रवण कराया कि शास्त्रों में साधु-संतों द्वारा चातुर्मास स्थापना का विशेष महत्व बताया गया हैं। लोग दीक्षा और चारित्र को कठिन मानते हैं, जबकि वास्तव में सबसे कठिन गुण कृतज्ञता है। कृतज्ञ व्यक्ति बनना अत्यंत दुर्लभ है।

आचार्यश्री ने चंद्रगुप्त मुनिराज और आचार्य भद्रबाहु का उदाहरण देते हुए श्रवण कराया कि गुरु के प्रति समर्पण और सेवा ही व्यक्ति को इतिहास में अमर बनाती हैं। बारह हजार साधुओं में केवल चंद्रगुप्त अपने गुरु के साथ अंत तक रहे। उनका जीवन गुरु भक्तिए सेवा और समर्पण का अद्भुत उदाहरण हैं। नरेंद्र गंगवाल ने बताया कि आचार्य श्री विभव सागर महाराज ने आशीष वचन में कहा कि साधु का कर्तव्य निरंतर पुरुषार्थ करना है। जो व्यक्ति दृढ़ता के साथ चारित्र का पालन करता हैं, उसका साथ भले ही संसार न दे, लेकिन देवता भी उसके सहयोगी बन जाते हैं। आचार्यश्री ने कहा कि गुरुचरणों में समर्पित रहने वाले का नाम ही इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाता है। आष्टा व्रतियों और धर्म साधना की नगरी हैं। आदिनाथ भगवान के 84 गणधर थें और आष्टा में भी बड़ी संख्या में 84 व्रती धर्म आराधना कर रहे हैं। गुरु के प्रति समर्पित व्यक्ति ही वास्तविक अर्थों में व्रती बन सकता है।

आचार्यश्री ने कहा कि संलेखना केवल जीवन के अंतिम समय में ली जाने वाली प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि दूसरे व्रत से ही उसका प्रारंभ हो जाता है। अपनी कषायों, राग-द्वेष और विकारों को कम करना ही वास्तविक संलेखना है। समाधि भक्ति पर उनके द्वारा 653 छंदों की रचना की गई है। आचार्यश्री ने कहा कि विचार ही भावनाओं का स्वरूप हैं, इसलिए मनुष्य को सदैव श्रेष्ठ और सकारात्मक भावनाएं रखनी चाहिए। संसार में अनंत बार जन्म और मरण का चक्र चलता हैं, लेकिन सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

आचार्यश्री ने कहा कि श्रद्धालु सम्मेद शिखर इसलिए जाते हैं क्योंकि वह मोक्षभूमि हैं। वहां अनेक तीर्थंकरों और महान आत्माओं ने निर्वाण प्राप्त किया है। इसलिए सम्मेद शिखर का कण-कण वंदनीय और पूजनीय है। जो जीवों को संसार सागर से तारता हैं, वही तीर्थ कहलाता हैं। साधुओं के चरण और उनका आचरण ही उनकी वास्तविक महिमा हैं।

बीसूखेड़ी के ग्रामीणों ने की ठेकेदार की शिकायत

जागरण, आष्टा। बीसूखेड़ी जावर के ग्रामीणों ने विधायक कार्यालय में जनसुनवाई में शिकायती मांग पत्र विधायक गोपालसिंह इंजीनियर को सौपा कर शिकायत की हैं की जावर से बीसूखेड़ी तक का जो 9 किमी लंबा टू लेन डबल मार्ग बन रहा हैं, रोड निर्माण के ठेकेदार ने रोड की लम्बाई घटा कर उसने 8 किमी कर दी। उसकी जांच कर रोड 9 किमी बनाया जाए।

सट्टेबाजी का वीडियो वायरल होने के बाद अड्डे पर दबिश, चार गिरफ्तार

जागरण शाजापुर। शहर में अवैध रूप से चल रहे सट्टे के कारोबार का एक वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया, जिसके बाद पुलिस ने सट्टा अड्डे पर छापामार कार्रवाई की, जहां से चार सटोरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। मौके से पुलिस ने नकदी, हजारों रुपए के सट्टे का हिसाब और बड़ी मात्रा में सट्टा सामग्री बरामद की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि क्षेत्र में सट्टे का अवैध कारोबार संचालित हो रहा है। इसी बीच एक वीडियो सामने आया जिसके बाद पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से अड्डे पर घेराबंदी कर दबिश दी।

ये आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

छापामार कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से चार लोगों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अरशद अली (32) पिता आबिद अली निवासी पटेलवाड़ी, जितेन्द्र (40) पिता महेश गेहलोत निवासी वजीरपुरा, नूर मोहम्मद उर्फ शानू 46 पिता गुल मोहम्मद निवासी पटेलवाड़ी और समीर 34 पिता मसूद बेग निवासी पटेलवाड़ी के रूप में हुई है।

नकदी सहित हजारों का हिसाब-किताब जब्त

पुलिस ने अड्डे से सट्टा संचालित करने वाली कई सामग्रियां जब्त की हैं। पुलिस की जप्ती में 7 सट्टा अंक लिखी पर्चियां, 2 कार्बन, 2 पेन, बैठने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 3 टेबल व 5 कुर्सियां और 6 खाली कट्टे शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस ने मौके से 5100 रुपए की नकद राशि भी बरामद की है। पुलिस की इस पूरी कार्रवाई में कुल मशरूका 13100 रुपए का बताया जा रहा है। जांच के दौरान पुलिस के हाथ सट्टे का रजिस्टर और हिसाब भी लगा है, जिसमें 18100 रुपए के सट्टे का लेनदेन दर्ज है।

इन जगहो पर कब होगी कार्यवाही

पुलिस ने जो कार्यवाही की है नाकाफी है शहर के अनेक स्थान ऐसे है, जहां अभी भी सट्टा जमकर चल रहा है, जिनमें बस स्टेण्ड, कसेरा बाजार, मिरकला, स्टेशन रोड, टंकी चौराहा आदि अन्य जगह है, जंहा सट्टा पर्ची का खेल जमकर चल रहा।

भव्य चल समारोह के साथ मनी महाराणा प्रताप जयंती, गूंजे स्वाभिमान के जयकारे

जागरण शाजापुर। स्वाभिमान के सूर्य, अदम्य साहस के प्रतीक और राष्ट्रभक्ति के पर्याय वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की गौरव गाथा बुधवार को शाजापुर की सड़कों पर जीवंत हो उठी। हवा में लहराते भगवा ध्वज, घोड़ों की टापों की गूंज और आसमान चीरते जयकारों ने पूरे शहर को शौर्य और पराक्रम के रंग में रंग दिया। अवसर था महाराणा प्रताप जयंती का, जिस पर राजपूत समाज द्वारा शहर में एक ऐतिहासिक और भव्य चल समारोह निकाला गया। इस समारोह में समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं का हुजूम उमड़ पड़ा, जिसने पूरे नगर को देशभक्ति के जज्बे से सराबोर कर दिया।

राजपूत छात्रावास से हुआ शंखनाद, महापुरुष को दी गई श्रद्धांजलि

चल समारोह का शुभारंभ आदर्श कॉलोनी स्थित राजपूत छात्रावास से हुआ। भारी उत्साह के बीच रैली धोबी चौराहा पहुंची, जहां वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात यह विशाल चल समारोह नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों की ओर बढ़ चला। यह ऐतिहासिक रैली महूपुरा चौराहा, नदी रपट, धान मंडी, किला रोड, छोटा चौक, बड़ा चौक एवं नई सड़क सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरी। मार्ग में अनेक स्थानों पर शहरवासियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर इस भव्य समारोह का आत्मीय स्वागत किया।

अश्वारोही युवाओं ने मोहा मन, गूंजे शौर्य गीत

समारोह का सबसे बड़ा आकर्षण पारंपरिक राजपूती वेशभूषा में सजे-धजे और घोड़ों पर सवार युवा रहे। इन युवाओं ने महाराणा प्रताप के शौर्य और गौरवशाली इतिहास की शानदार झलक प्रस्तुत की। वहीं, डीजे और अन्य ध्वनि यंत्रों पर बज रहे ओजस्वी शौर्य गीतों पर कदमताल करते युवाओं के उत्साह ने पूरे शहर के वातावरण को वीरता और स्वाभिमान के रंग में रंग दिया।

इस दौरान राजपूत समाज के पदाधिकारियों और वरिष्ठजनों ने महापुरुष के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाराणा प्रताप का संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और त्याग का सर्वोच्च प्रतीक है। उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए घास की रोटियां खाना स्वीकार किया, लेकिन गुलामी नहीं। जयंती पर आयोजित ऐसे भव्य कार्यक्रम हमारी नई पीढ़ी को उनके महान आदर्शों से प्रेरणा लेने और राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने का कड़ा संदेश देते हैं। चल समारोह में शामिल युवाओं ने हेरतंगेज करतब दिखाए।

महाराणा प्रताप की जयंती पर निकली भव्य शौर्य यात्रा

जागरण नलखेड़ा। वीरता स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के अमर प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती पर करणी सेना परिवार द्वारा विशाल शौर्य यात्रा निकाली गया। शौर्य यात्रा में करणी सेना परिवार के मुखिया जीवन सिंह शेरपुर सहित बड़ी संख्या में राजपूत सरदार उपस्थित थे। नगर में बुधवार को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती पर करणी सेना परिवार द्वारा विशाल शौर्य यात्रा निकाली गई।

शौर्य यात्रा गाजे बाजे ढोल ढमाकों के साथ पिलवास चौराहे से प्रारंभ हुई-

शौर्य यात्रा में आगे समाज के युवा बाइक पर सवार होकर धर्म ध्वजा थामे हुए थे वही एक सुसज्जित घोड़ा बग्गी पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का चित्र रखा हुआ था। वही यात्रा में समाज के नवयुवक के अखाड़े में करतब दिखाते हुए चल रहे थे।

शौर्य यात्रा सिविल अस्पताल के सामने होती हुई सरदार पटेल चौराहा, शिवाजी चौराहा, गणेश चौराहा, जवाहर मार्ग, चौक बाजार होते हुए तहसील रोड स्थित पुरानी नगर पंचायत परिसर पहुंची जहां धर्म सभा में तब्दील हुई। जहां महाराणा प्रताप एवं महाराजा छत्रसाल के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया सर्वप्रथम जीवन सिंह शेरपुर सहित अन्य अतिथियों का स्वागत शौर्य यात्रा के आयोजक करणी सेना परिवार के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया।

उपस्थित समाज जनों को संबोधित करते हुए करणी सेना परिवार के मुखिया जीवन सिंह शेरपुर ने कहा कि हमें वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर उनके बताएं मार्ग पर चलना है। उन्होंने कहा कि समाज के युवा महाराणा प्रताप के बताएं मार्ग पर चलकर आगे बढ़े। शौर्य यात्रा में बड़ी संख्या में राजपूत सरदार अपनी पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए

कई स्थानों पर हुआ शौर्य यात्रा का स्वागत-नगर में करणी सेना परिवार द्वारा निकाली गई शौर्य यात्रा का विभिन्न सामाजिक एवं राजनेतिक संगठनों द्वारा पुष्प वर्षा का स्वागत किया गया वही मुस्लिम समाज जनों द्वारा शहर सदर अब्दुल जलील खांन की उपस्थिति में शौर्य यात्रा में शामिल करणी सेना परिवार के मुखिया जीवनसिंह शेरपुर एवं अन्य अतिथियों का साफा बांधकर स्वागत किया गया।

जीवन सिंह शेरपुर में किये मां बगलामुखी के दर्शन -कार्यक्रम के पश्चात करणी सेना परिवार के मुखिया जीवन सिंह शेरपुर विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर भी पहुंचे जहां उन्होंने मां बगलामुखी की पूजा अर्चना कर विश्व में सुख समृद्धि की कामना की।

बढ़ती बेरोजगारी और पेपर लीक के खिलाफ यूथ मार्च, स्थायी भर्ती की उठी मांग

जागरण शाजापुर। बढ़ती बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में व्याप्त धांधली के खिलाफ मूवमेंट अगेंस्ट अनएम्प्लॉयमेंट (बेरोजगारी विरोधी आंदोलन) के बैनर तले युवाओं ने हुंकार भरी। प्रदेशव्यापी अभियान के तहत युवाओं का यूथ मार्च शाजापुर पहुंचा, जहां उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। मार्च के दौरान नगर के मुख्य बाजार आजाद चौक, हाट मैदान के पास महूपुरा और धोबी चौराहा पर नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया।

इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में स्थानीय छात्र, युवा और आमजन शामिल हुए। नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए आंदोलन के राज्य संयोजक प्रमोद नामदेव ने नीट 2026 पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने एनटीए की घोर लापरवाही बताते हुए कहा कि इसका खामियाजा करोड़ों छात्रों को हताशा और आत्महत्या जैसे कदमों के रूप में चुकाना पड़ रहा है। नामदेव ने चौंकाने वाले आंकड़े पेश करते हुए बताया कि साल 2015 से 2026 तक देश में 148 परीक्षा घोटाले हुए हैं और 87 परीक्षाएं रद्द हुई हैं, जिससे 9 करोड़ बच्चों का भविष्य प्रभावित हुआ। इन 148 घोटालों में अब तक सिर्फ एक व्यक्ति को सजा मिली है, जबकि सीबीआई और ईडी ने दर्जनों मामलों की जांच की है। उन्होंने कहा कि अकेले मेडिकल, व्यापमं और एसएससी जैसी परीक्षाओं में कई घोटाले सामने आए हैं, लेकिन ठोस कार्रवाई के नाम पर नतीजा शून्य रहा है। आंदोलन के शाजापुर प्रभारी मनोज रजक ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्तर के प्रश्नपत्र का बड़े पैमाने पर लीक होना बिना एनटीए और कोचिंग माफियाओं की मिलीभगत के संभव नहीं है। उन्होंने हाल ही में मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित वनरक्षक, क्षेत्ररक्षक और जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा-2026 की दूसरी पाली रद्द होने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि बार-बार परीक्षाएं रद्द होने से दूर-दराज से आने वाले छात्रों का कीमती समय और पैसा बर्बाद होता है, जिससे उनका मनोबल टूट रहा है। नुक्कड़ सभाओं को सुनील सेन और अजय राव ने भी संबोधित किया, जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन भारत सिंह चौहान ने किया।

आंदोलनकारियों ने रखीं ये प्रमुख मांगें

प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने सरकार के समक्ष अपनी कई प्रमुख मांगें रखीं। आंदोलनकारियों ने मांग की है कि नीट सहित अन्य सभी पेपर लीक घटनाओं की उच्च-स्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए और भ्रष्टाचार में शामिल एनटीए के उच्च अधिकारियों की पहचान कर उन्हें सख्त सजा दी जाए। युवाओं ने जोर देते हुए कहा कि एनटीए को तत्काल समाप्त कर परीक्षाओं के आयोजन की संपूर्ण जिम्मेदारी सरकार को स्वयं लेनी चाहिए। इसके साथ ही, भर्ती परीक्षाओं में भ्रष्टाचार पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए कड़ा कानून बनाने की मांग की गई। आंदोलनकारियों ने सरकार से स्पष्ट कहा कि मध्य प्रदेश में 1.20 लाख सरकारी पदों को खत्म करने का फैसला स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रदेश और देशभर के सरकारी विभागों में रिक्त पड़े पदों पर अविलंब स्थायी भर्ती करने, मध्य प्रदेश में 94 हजार सरकारी स्कूलों को बंद करने की नीति को तुरंत रद्द करने और भविष्य में कभी प्रश्न पत्र लीक न होने की पुख्ता गारंटी सुनिश्चित करने की पुरजोर मांग उठाई है।

जनकल्याण शिविर में 4385 आवेदन प्राप्त-शाजापुर। जनपद पंचायत शाजापुर द्वारा 16 से 18 जून तक 03 दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

न्यूज कार्नर

विश्व संगीत दिवस पर देवास में होगा महोत्सव

देवास। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर देवास कलाकार संगठन द्वारा 21 जून को देवास में एक भव्य संगीत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य संगीत, कला एवं कलाकारों को एक सशक्त मंच प्रदान करना तथा क्षेत्र की छिपी हुई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में गायन, वादन, नृत्य एवं संगीत से जुड़ी अन्य विधाओं के कलाकार भाग ले सकेंगे। सभी प्रतिभागियों से अपने वाद्य यंत्र एवं प्रस्तुति की तैयारी के साथ कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया गया है। वहीं आयोजकों ने शहर एवं आसपास के क्षेत्रों के संगीत प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

सूपेकर का निधन

देवास। मां चामुंडा सेवा समिति के पूर्व संयोजक संकेत सुपेकर, विक्रांत सुपेकर के पिताजी डीआर सुपेकर का निधन हो गया। उनके निधन पर रामेश्वर जलोदिया, प्रतापसिंह मेहता, नरेंद्र मिश्रा, उम्मेदसिंह राठौड़, दिनेश सांवलिया, नारायण व्यास, दीपक कर्पे, अजय कानूनगो, रमेश भावसार, सदाशिव जोशी आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

नई कार लेने जा रहे परिजनों का वाहन पलटा, बुआ-भतीजे की मौत

हाइवे पर घटी दुर्घटना में बच्चे, महिलाओं सहित 10 लोग घायल, गंभीर घायल को किया इंदौर रेफर

सोनकच्छ। बुधवार को जावर थाना क्षेत्र के ग्राम सेमलीबारी फाटा के समीप हाइवे पर इंदौर से भोपाल जा रही स्कार्पियो क्रमांक एमपी 09 सीडी 3222 अचानक असंतुलित होकर पलट गई। दुर्घटना में वाहन सवार एक महिला व एक पुरुष की मौत हो गई। वहीं अन्य 10 लोग घायल हो गए, घायलों में बच्चे व महिलाएं भी शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार इंदौर से स्कार्पियो वाहन में सवार होकर सेंधवा एवं इंदौर निवासी एक ही परिवार के सदस्य व रिश्तेदार भोपाल जा रहे थे। जैसे ही वाहन सेमलीबारी फाटा पर पहुँचा, अचानक असंतुलित होकर पलट गया। फलस्वरूप वाहन में सवार मयुरेश पिता संतोष गर्ग उम्र 38 वर्ष निवासी इंदौर, संगीता पति सुनिल अग्रवाल उम्र 51 वर्ष निवासी सेंधवा, प्रखर पिता सुनिल अग्रवाल 32 वर्ष, सुनिल पिता ब्रजमोहन अग्रवाल 62 वर्ष, शर्मिला पति स्वप्निल गर्ग उम्र 36 वर्ष, कनव पिता स्वप्निल गर्ग उम्र 10 वर्ष, सुरभि मयुरेश अग्रवाल उम्र 28 वर्ष, पलक पिता सुनिल अग्रवाल उम्र 26 वर्ष, रिंकी पति प्रखर अग्रवाल उम्र 30 वर्ष, दुर्वित गर्ग उम्र 2 वर्ष व एक अन्य सभी निवासी अग्रवाल नगर इंदौर घायल हो गए। जिन्हें सोनकच्छ के सिविल अस्पताल लाया गया। जहाँ डॉक्टर ने जाँच करते मयुरेश व संगीता को मृत घोषित कर दिया तथा घायल शर्मिला, कनव व स्वप्निल को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया। घटना की जानकारी के बाद समाजसेवी हुकमचंद्र अग्रवाल, विष्णुकांत बजाज, नरेन्द्र मेहता, विजेन्द्रसिंह मनासा आदि अस्पताल पहुंचे व घायलों को ढांढस बंधाया।

पूर्व विधायक विजयवर्गीय पहुंचे सोनकच्छ अस्पताल

उधर घटना की जानकारी मिलने के बाद इंदौर से सोनकच्छ अस्पताल पहुंचे मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के पुत्र व पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने घायलों व उनके परिजनों से मिलकर घटना की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि मृतक गर्ग पूर्व विधायक विजयवर्गीय के काफी करीबी भाजपा नेता है। इस दौरान देवास से भाजपा नेता सुमेरसिंह दरबार ने भी घायलों के हालचाल जाने व परिजनों की मदद में सहयोग किया। वहीं सूचना मिलने पर टीआई विक्रांत झांझोट व अन्य पुलिस कर्मी भी अस्पताल पहुंचे व घटना की जानकारी ली।

परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर जताई नाराजगी

मृतकों के परिजन उस समय अस्पताल प्रशासन पर नाराज हो गए, जब शव वाहन आने में अधिक विलंब हुआ। परिजनों के अनुसार घटना से प्रभावित सभी लोग एक नई कियो कार लेने के लिए इंदौर से भोपाल जा रहे थे, तभी रास्ते में दोपहर करीब 1 बजे यह घटना घटित हो गई। मृतकों का आपस में भुआ व भतीजे का रिश्ता था।

बारिश में एमजी रोड हुआ अस्त-व्यस्त

टाटा 407 फंसी, कई बार बनी जाम की स्थिति

देवास। नगर निगम द्वारा एमजी रोड का कायाकल्प किया जा रहा है, किंतु कायाकल्प अत्यंत धीमी गति से हो रहा है और शुरुआती दौर की बारिश में ही बुधवार को एमजी रोड की पोल खोलकर रख दी। शाम करीब 6 बजे शहर में तेज बारिश शुरु हुई और कुछ ही देर में एमजी रोड पर पानी बहने लगा। एमजी रोड पर फिलहाल सीवरेज के लिए खुदाई की जा रही है, जिसमें पानी भर गया और आसपास कीचड़ फैल गया। इसी दौरान तीन बत्ती चौराहा पर एक टाटा 407 वाहन का पहिया सीवरेज लाइन में फंस गया, इससे जाम की स्थिति निर्मित हो गई। एमजी रोड पर पैदल चलना तो दूर दुपहिया वाहन पर निकलना भी मुश्किल हो गया। यह स्थिति रात करीब 9 बजे तक बनी रही और एमजी रोड के व्यापारी नगर निगम के ठेकेदार को कोसते रहे। बावजूद इसके नगर निगम का एक भी जनप्रतिनिधि या अधिकारी एमजी रोड की व्यवस्था देखने के लिए सड़क पर नहीं निकला।

घुड़दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रही जोदा

देवास। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर हिंदू उत्सव समिति एवं महाराणा प्रताप सेना के संयुक्त तत्वावधान में भव्य घुड़दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से आए लगभग 25 घोड़ों एवं उनके सवारों ने हिस्सा लेकर अपने कौशल और दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, सभापति रवि जैन, राजीव खंडेलवाल, राजेंद्र सिंह बैंस, गणेश पटेल, सचिन जोशी, सुरेंद्रसिंह गौड़, संजय सोलंकी, विश्वजीत चौहान, तूफान सिंह बांगर, वीरेंद्र सिंह दरबार, विशालसिंह रघुवंशी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर शक्ति सिंह पटलावदा की घोड़ी 'जोदा', द्वितीय खाचरोंद के देवेंद्र सिंह ठाकुर की घोड़ी बादल रही तथा तृतीय स्थान पर आवेश की घोड़ी 'राणा' रही, जिन्हें प्रशस्ति चिन्ह, नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। वहीं विधायक गायत्री राजे पवार की ओर से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विजेताओं को 5-5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन प्रिंस सनोदिया ने किया एवं आभार धर्मेंद्रसिंह बैस ने माना।

नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विकसित भारत संकल्प सम्मेलन आयोजित

विधायक सोनकर ने 32 प्रतिभावान छात्रों व महिला डॉक्यूमेंट्री निर्माताओं को किया सम्मानित

सोनकच्छ। केंद्र की भाजपा सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विकसित भारत संकल्प सम्मेलन मंगलवार को ग्राम सांवेर के एक गार्डन में आयोजित हुआ। जिसमें राज्यसभा सदस्य कविता पाटीदार, क्षेत्रीय विधायक डॉ. राजेश सोनकर, जिला भाजपा अध्यक्ष रायसिंह सेंधव, पूर्व अध्यक्ष बहादुर मुकाती, नंदकिशोर पाटीदार आदि अतिथि के रुप में मंचासीन हुए। पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा अतिथियों का दुपट्टें एवं शब्दों से स्वागत किया। वहीं विधायक सोनकर द्वारा कार्यक्रम के दौरान 32 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के साथ-साथ एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाने वाली महिलाएं मनीषा लाठी, एकता दरक, रुपाली दरक, वैशाली छापरवाल, मेघा छापरवाल आदि को सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक सोनकर ने अपने संबोधन में अनेक महत्वपूर्ण बातें रखीं और कहा कि वेद-वेदांतों की शिक्षा के आधार पर मोदी जी ने परंपराओं एवं व्यवस्थाओं को स्थापित करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि लगभग तीन वर्ष होने वाले हैं, इस क्षेत्र की सेवा करने का जबसे अवसर मिला है, संपूर्ण क्षेत्र में अनेक विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों के साथ विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में काम करने का संकल्प लेकर हम लोग काम कर रहे हैं, जिसमें हजारों बच्चों को परीक्षा की तैयारी एवं कैरियर मार्गदर्शन के लिए आगे बढ़ाने के प्रयास किए हैं। साथ ही शिक्षकों को भी प्रोत्साहित करने का कार्य किया गया है। उल्लेखनीय है कि विधायक डॉ. राजेश सोनकर के इस कार्यकाल में मात्र तीन वर्षों में उन्होंने जिस प्रकार क्षेत्र के विकास एवं जनकल्याण को अपना प्राथमिक लक्ष्य बनाया है, वह अत्यंत सराहनीय है। राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार ने कहा कि प्रधानमंत्री को देश की जनता ने देश का भविष्य बनाने की जिम्मेदारी दी थी, जिसे उन्होंने ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री के 12 वर्षीय कार्यकाल की जमकर प्रशंसा की। कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष सेंधव ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश यादव ने किया एवं आभार मंडल अध्यक्ष विजेंद्र सिंह मनासा ने माना। इस अवसर पर नरेंद्रसिंह राजपूत, बहादुरसिंह पिलवानी, महेश पाटीदार, हरेंद्रसिंह पिलवानी, बबलू ठाकुर, मोनू अभिषेक शर्मा, पीयूष छाबड़ा, राहुल धाकड़, अर्जुनसिंह ठाकुर, आकाश जैन, डॉ. रूपसिंह नागर, सुमेर सिंह नागर, रामप्रताप सिंह बघेल सहित बड़ी संख्या में भाजपाई एवं नगर के प्रबुद्धजन एवं महिलाएं उपस्थित थीं।

झमाझम बारिश के बीच राजपूत समाज ने निकाली शौर्य यात्रा, जगह-जगह स्वागत

तेज बारिश में भी बना रहा राजपूत सरदारों का उत्साह

देवास। बुधवार को क्षत्रिय राजपूत समाज द्वारा महाराणा प्रताप की 386 वीं जयंती के उपलक्ष्य में शाम करीब 6 बजे भोपाल चौराहा (महाराणा प्रताप चौराहा) से भव्य शौर्य यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में राजपूत सरदारों व अन्य समाजों के महिला-पुरुषों ने हिस्सा लिया। यात्रा की शुरुआत से पूर्व वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसी दौरान तेज बारिश शुरु हो गई, किंतु बारिश भी राजपूत सरदारों का उत्साह कम नहीं कर पाई और बारिश के बीच ही शौर्य यात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा में आगे-आगे घोड़े पर महापुरुषों के वेष में युवा सवार थे, जो आकर्षण का केंद्र बने हुए थे। साथ ही बैंड, ढोल, ताशे भी राजपूतों का उत्साह बढ़ा रहे थे। शौर्य यात्रा भोपाल चौराहा से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से निकली। इस दौरान तेज बारिश के बीच ही विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक व धार्मिक संगठनों व गणमान्य नागरिकों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शौर्य यात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर तंवरसिंह चौहान, पूर्व जिपं अध्यक्ष नरेंद्रसिंह राजपूत, जयसिंह ठाकुर, राजवीरसिंह बघेल, भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा, मनोज राजानी, पूर्व महापौर शरद पाचुनकर, अनिलराजसिंह सिकरवार, पोपसिंह परिहार, विजयसिंह जनोईखेड़ी, भारतसिंह पटलावदा, गंगासिंह सोलंकी, सुमेर सिंह दरबार, सुरेंद्रसिंह पंवार, भगवानसिंह चावड़ा, सुरेंद्रसिंह गौड़, धर्मेंद्रसिंह बैस, राजेंद्रसिंह बैस, अनिलसिंह बैस, तूफानसिंह बांगर, विश्वजीतसिंह चौहान, नवीनसिंह सोलंकी, राजकुमारसिंह ठाकुर, राणा नटवरसिंह बैस, नरेंद्रसिंह चंदेल, भगवानसिंह बघेल, ईश्वरसिंह चौहान, दिग्विजय सिंह झाला, धर्मेंद्रसिंह चौहान, अर्पणसिंह चंदेल, अजयसिंह परिहार, हटेसिंह मेंढकी, भारतसिंह बाड़ोली, मनोहर सिंह बैरागढ़, मोहनसिंह राजपूत, अनिकेत सिंह ठाकुर, ललितसिंह चावड़ा, जुझारसिंह राठौड़, पोपसिंह पंवार, संदीप सिंह सिकरवार, पुष्पलता सोनगरा, कल्पना तंवर, नीतू चौहान, शशि ठाकुर, कांति चौहान, सुधीर शर्मा, संतोष मोदी, राहुल पंवार सहित बड़ी संख्या में राजपूत सरदार उपस्थित थे। अंत में आभार तंवरसिंह चौहान ने माना।

मां नर्मदा की स्वच्छता व गौ सेवा का दिलाया संकल्प

दादाजी धूनीवाला दरबार में कथा का विश्राम भंडारा आयोजित

खातेगांव। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर 9 जून से अजनास रोड स्थित श्री दादाजी धूनीवाला दरबार प्रस्तावित स्थल पर साधक संत गुरुदेव दादाभाई के सानिध्य में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का समापन पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ हुआ। कथा के अंतिम दिवस श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या उपस्थित रही और सभी ने धर्म, संस्कृति एवं सेवा के संदेशों को आत्मसात किया। कथा वाचक पं. नारायण तिवारी ने कथा के दौरान मां नर्मदा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को मां नर्मदा को स्वच्छ एवं निर्मल बनाए रखने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि जीवनदायिनी मां हैं, जिनकी स्वच्छता और संरक्षण हम सभी का दायित्व है। मां नर्मदा के घाटों को हमें सांप और स्वच्छ रखना चाहिए। मां नर्मदा का जल अमृत है जो लोग मां नर्मदा के तट पर जूते चप्पल वस्त्र छोड़कर आते हैं, वहां कार्य नहीं करना चाहिए। कथा में सुदामा चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया गया। सुदामा चरित्र की करुणा से भरी कथा सुनकर श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गई। इस अवसर पर गौ माता के महत्व पर भी विशेष रूप से प्रकाश डाला।

कथा की पूर्णाहुति के पश्चात महाआरती एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इस दौरान प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

माल्यार्पण कर महाराणा प्रताप जयंती पर गूंजा वीरता का संदेश

भौंरासा। मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती बुधवार को राजपूत समाज द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस दौरान भौंरासा फाटा स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने जय शिवा सरदार और जय महाराणा प्रताप के जयघोष लगाकर वातावरण को राष्ट्र भक्ति से ओतप्रोत कर दिया। इस अवसर पर नप उपाध्यक्ष जयसिंह राणा, पटेल यशवंत सिंह राजपूत, भीम ठाकुर, अनूप ठाकुर, महेश ठाकुर, शेखर ठाकुर, नीरज ठाकुर, हिम्मत सिंह ठाकुर, सूबेदार ठाकुर, नरेंद्र ठाकुर, भारत ठाकुर, हमीर सिंह ठाकुर आदि उपस्थित थे।